लेखन कौशल

भाषा के माध्यम से कुछ भी लिखना, 'लेखन' कहलाता है।

5 may 2020

लेखन के आवश्यक तत्व एवं आयाम

1- ⇒ लेखक का लेखन तन्त्र हाथ, आँख आदि एवं लेखन सामग्री कापी आदि।

2 ⇒ लेखक का लिपि ज्ञान, सही रूप से लिखने का अभ्यास।

3⇒ लिखने की तत्परता, लेखन में उसकी रुचि एवं अवधान।

4⇒ प्रसंगानुकूल भाषा ज्ञान एवं उसके प्रयोग का अभ्यास।

5⇒ लेखक का विराम चिह्नों के प्रयोग का ज्ञान एवं अभ्यास।

लेखन कौशल का विकास

लेखन कौशल के विकास का अर्थ है, उन्हें अपने भाव एवं विचारों को लिखित भाषा के माध्यम से व्यक्त करने की क्रिया में निपुण करना।

पूर्व प्राथमिक स्तर / लेखन कौशल का विकास

शिशु स्तर पर बच्चों को मातृभाषा के सर्वमान्य रूप से परिचित कराया जाता है। जहाँ तक भाषायी कौशलों के विकास की बात है, इस स्तर पर केवल सुनने व बोलने का विकास।

Scanned with CamScanner

concerned departments. NIC will not responsible for any decision or claim that is based on displayed data

प्राथमिक स्तर । लेखन कौशल का विकास

⇒ बच्चों को अनुलेख लिखने के अवसर दिये जाएँ।
⇒ प्रतिलेख लिखने के अवसर।
⇒ श्रुतलेख लिखने के अवसर।
⇒ रिक्त स्थानों की पूर्ति कराई जाए।
⇒ उनकी याद की हुई कहानियाँ लिखवाई जाए।
⇒ सुन्दर लेख प्रतियोगिता करवाना।
⇒ लिपि का स्पष्ट ज्ञान, सही रूप लिखना।
⇒ विराम चिन्हों का स्पष्ट ज्ञान हो।
⇒ प्रेम व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाय।

Scanned with CamScanner

उच्च प्राथमिक स्तर और लेखन कौशल का विकास

- ⇒ पढ़े हुए नाटकों को कहानी रूप में लिखवाना।
- ⇒ पाठों के सारांश लिखवाना।
- ⇒ कहानियों को अपने शब्दों में लिखवाना।
- ⇒ **शिक्षक का प्रयत्न** → बच्चों का लेखन तन्त्र, लेखन सामग्री ठीक हो,
  ⇒ लिपि, शब्द, वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
- ⇒ विराम चिन्हों का सही प्रयोग सिखाना।
- ⇒ विषय सामग्री को तार्किक क्रम में प्रस्तुत करना।
- ⇒ बच्चों की अशुद्धियों को दूर किया जाना।

माध्यमिक स्तर / लेखन कौशल का विकास

- ⇒ अपनी मातृभाषा के पठन व लेखन में निपुण हो जाना।
- ⇒ तर्क व निर्णय, कल्पना शक्ति का विकास।
- ⇒ समस्याओं का विश्लेषण करना।
- ⇒ मौलिक लेख, कहानी व नाटक लिखने की प्रेरणा देना।
- ⇒ शिक्षकों को बच्चों द्वारा लेखन में की गई अशुद्धियों को दूर करना।

पठन और लेखन

- ⇒ मातृभाषा के अक्षरों का ज्ञान स्पष्ट हो जाना।
- ⇒ लेखन कौशलों में स्वतन्त्र रूप में विकास।
- ⇒ भाषा लिखने और पढ़ने की क्रिया एक साथ चलना।
- ⇒ लेखन का अन्तिम चरण रचना कौशल।
- ⇒ बच्चों की व्यक्तिगत कठिनाईयों को दूर करना।

B.R.C. Deoband
Assis Pro- Sapna Tyagi
Smay

Scanned with CamScanner